ONLY FOR REGISTERED MEDICAL PRACTITIONERS

श्री ज्वाला आयुर्वेद भवन
अलीगढ़

Since 1972

AT A GLANCE OF AYURVEDIC MEDICINES

JWALA

The Name in Serving of Ayurved

CERTIFIED G.M.P. COMPANY

JWALA
The Name in Serving of Ayurved

संक्षिप्त परिचय

श्री ज्वाला आयुर्वेद भवन की स्थापना सन 1972 में धन्वन्तरि के संम्पादक स्व0 श्री ज्वाला प्रसाद जी अग्रवाल ने धन्वन्तरि के प्रकाशन के लिये की थी। सन 1974 में औषधि निर्माण कार्य भी प्रारम्भ किया गया। श्री ज्वाला आयुर्वेद भवन द्वारा निर्मित विशुद्ध आयुर्वेदिक औषधियों का चिकित्सक समाज ने भरपूर स्वागत किया तथा प्रभावी गुणों के कारण अपनी चिकित्सा में विश्वास के साथ प्रयोग में लाते रहे है। इन औषधियों की निरन्तर बढ़ती मांग का एक मात्र कारण यही है कि औषधि प्रमाणिक तथा शास्त्रीय विधि से तैयार की जाती है, जिससे वह अपना चमत्कारिक गुण प्रदर्शित करती है।

श्री ज्वाला आयुर्वेद भवन की पहचान आज बहुसंख्यक आयुर्वेदिक उत्पादों वाले प्रतिष्ठान के रूप में है। इसकी 250+ औषधीय उत्पादों की श्रृंखला समस्त प्रकार की स्वास्थ्य सेवाओं के लिये उत्तम श्रेणी की है। श्री ज्वाला आयुर्वेद भवन द्वारा अत्याधुनिक यन्त्रों से सुसज्जित प्रयोगशाला का निर्माण किया गया है जिसके कारण ही उत्तर प्रदेश सरकार के द्वारा जी0 एम0 पी0 प्रमाण पत्र प्रदान किया गया है।

श्री ज्वाला आयुर्वेद भवन अपने उपभोक्ताओं का विश्वास जीतने के लिये लगातार नवीनतम प्रक्रियाओं से अपनी आयुर्वेदिक औषधि श्रृंखला को मूल्यवान और प्रभावशाली बनाते हुऐ उपभोक्ताओं के उन्नतमान जीवन के लिये प्रतिबद्ध हैं। यही कारण है कि श्री ज्वाला आयुर्वेद भवन की औषधियां वैद्य, चिकित्सक एवं विक्रेता बन्धु विश्वास पूर्वक प्रयोग करते हैं।

रोगानुसार औषधि निर्देश तालिका

क्र० सं०	रोग	औषधि
1.	अग्निमांद्य, अरूचि, अजीर्ण	गैसोना कैपसूल, उदरामृत पेय, अग्निवर्द्धक क्षार, ज्वाला चूर्ण, मनोहर चूर्ण।
2.	अर्श	अर्शान्तक कैपसूल, अर्शान्तक वटी, अर्शान्तक मलहम।
3.	अतिसार	अतिसारान्तक कैपसूल, कर्पूरधारा अर्क, गृहणी संहार कैपसूल।
4.	अश्मरी (वृक्काश्मरी)	स्टोनिल कैपसूल, स्टोकिल सीरप।
5.	अम्लपित्त	एसीकिल कैपसूल, ज्वाला चूर्ण, लिवकिल सीरप।
6.	आमातिसार	अतिसारान्तक कैपसूल, गृहणी संहार कैपसूल।
7.	उदरशूल	गैसोना कैपसूल, शूलारि कैपसूल, उदरामृत पेय, अग्निवर्द्धक क्षार।
8.	उदर कृमि	कृमिघातनी कैपसूल।
9.	उष्णवात (सुजाक)	गोनारि कैपसूल।
10.	उच्चरक्तचाप	रक्तचापहारी कैपसूल।
11.	कर्ण विकार	कनकन तैल।
12.	कण्डु (खुजली)	रक्तशोधन कैपसूल, क्लीन पिल्स, चर्मरोगारि मलहम, खाजारि तैल, ज्वाला रूपसी सीरप।
13.	कामला	लिवकिल कैपसूल, गौमूत्र पुनर्नवादि घन वटी, लिवकिल सीरप।
14.	कास	कासनासी टैबलेट, कासनासी सीरप।
15.	क्लीवता (नंपुसकता या शीघ्रपतन आदि काम सम्बन्धी विकार)	क्लीवारि कैपसूल, मदनशक्ति कैपसूल, मदनशक्ति गोल्ड कैपसूल, कामशक्ति केशरी, गोल्ड चन्द्रोदय पिल्स, सिद्ध चन्द्रोदय वटी, नवयौवन मलहम, नरसिंह चूर्ण।
16.	केश रोग	हर्बल हेयर कैपसूल, हर्बल हेयर चूर्ण, हर्बल हेयर पाउडर।
17.	गृहणी, संग्रहणी	ग्रहणी संहार कैपसूल, अतिसारान्तक कैपसूल।
18.	चर्म विकार	रक्तशोधन कैपसूल, क्लीन पिल्स, चर्मरोगारि मलहम, ज्वाला रूपसी सीरप, दाद की दवा, खाजारि तैल
19.	ज्वर	ज्वरान्तक कैपसूल, ज्वरहारी, ज्वरहारी मीठी।
20.	दन्त विकार	पायरो मंजन।
21.	दन्तोदभेद	ज्वाला बाल घुटटी।
22.	नष्टार्त्तव	रजावरोधान्तक कैपसूल।

23.	निद्रानाश (अनिद्रा)	सुनींदी तैल।
24.	निर्बलता	शिलाजीत कैपसूल, त्रिशक्ति कैपसूल, मदनटान सीरप।
25.	नेत्र विकार	नेत्रामृत अंजन, नेत्रामृत बिन्दु।
26.	पाण्डु (रक्ताल्पता)	पाण्डुनौल कैपसूल, लिवकिल कैपसूल, त्रिशक्ति कैपसूल, लोहाजिन सीरप।
27.	प्रदर	ल्यूकोना कैपसूल, स्त्रीकल्याण सुधा।
28.	प्रमेह	स्वप्नप्रमेहान्तक कैपसूल, नरसिंह चूर्ण।
29.	प्रवाहिका	अतिसारान्तक कैपसूल, ग्रहणी संहार कैपसूल।
30.	प्लीहा वृद्धि	पाण्डुनौल कैपसूल, लिवकिल कैपसूल, गौमूत्र पुनर्नवादि घन वटी।
31.	पक्षाघात	वातरोगहर कैपसूल, वातरोगहर वटी, वातोना मलहम, ज्वाला पेना सीरप, वातरोगहर वटी गोल्ड।
32.	फाइलेरिया	फीलान्त कैपसूल।
33.	मधुमेह	मधुना कैपसूल, शिलाजीत कैपसूल, शू-क्योर टैबलेट।
34.	मलावरोध	बिबन्धहारी कैपसूल।
35.	मलेरिया (विषम ज्वर)	मलेरियाहर कैपसूल, ज्वरहारी, ज्वरहारी मीठी।
36.	मेद वृद्धि	मेदना कैपसूल।
37.	मुंहासे	रक्तशोधन कैपसूल, क्लीन पिल्स, रूपसी उबटन, ज्वाला रूपसी सीरप।
38.	मुंह के छाले	मुख विलास।
39.	यक्ष्मा	रूदन्ती कैपसूल न0 1, रूदन्ती कैपसूल न0 2।
40.	यकृत विकार	लिवकिल कैपसूल, गौमूत्र पुनर्नवादि घन वटी, लिवकिल सीरप।
41.	रसायन बाजीकरण	शिलाजीत कैपसूल, कामशक्ति केशरी, मदनशक्ति गोल्ड कैपसूल, गोल्ड चन्द्रोदय पिल्स, नपुंसकत्वारि।
42.	रक्त विकार	रक्तशोधन कैपसूल, क्लीन पिल्स, ज्वाला रूपसी सीरप।
43.	वात रोग	वातरोगहर कैपसूल, वातरोगहर वटी, वातोना मलहम, ज्वाला पेना सीरप, वातरोगहर वटी गोल्ड।
44.	हिस्टीरिया	हिस्टीरियाहर कैपसूल।
45.	हृदय विकार	हृदयरोगारि कैपसूल।
46.	श्वास विकार	श्वासहारी कैपसूल।
47.	स्मृति दौर्बल्य	मेधाशक्ति कैपसूल, स्पेशल ब्राह्म सीरप।
48.	स्वप्न विकार	स्वप्नप्रमेहान्तक कैपसूल, नरसिंह चूर्ण।
49.	सूखा रोग	शोषान्तक कैपसूल, शोषान्तक तैल।
50.	सफेद दाग	श्वेतकुष्ठहर कैपसूल, श्वेतकुष्ठहर वटी, श्वेतकुष्ठहर घृत, श्वेतकुष्ठहर अवलेह।

ज्वाला उदरामृत पेय

मुख्य घटक द्रव्य: सौंठ, जीरा भुना, काली मिर्च, हींग, नींबू सत्व, सैंधव लवण आदि से निर्मित शर्बत।

गुण एवं उपयोग: अजीर्ण, आध्यमान, उदरशूल, मन्दाग्नि, गैस में तुरन्त लाभकारी।

मात्रा व अनुपान: 5 से 10 मिली० बराबर पानी से भोजन के बाद।

पैकिंग: 100 मिली०, 200 मिली०, 450 मिली०।

(गैस काअन्त तुरन्त)

ज्वाला कासनासी सीरप

मुख्य घटक द्रव्य: वासा, कन्टकारी, मुलहठी, पिप्पली, सोहागा आदि से निर्मित शर्बत।

गुण एवं उपयोग: सभी प्रकार की खांसी में उपयोगी

मात्रा व अनुपान: 1 से 2 चम्मच दिन में 3 बार गुनगुने पानी से लें।

पैकिंग: 100 मिली०, 200 मिली०।

(कफ सीरप)

JWALA
The Name in Serving of Ayurved

स्त्री कल्याण सुधा

मुख्य घटक द्रव्य: अशोक, लोध्र, वासा पत्र, पतंग लकड़ी, वच, नीलोफर, खरैटी, तण्डुलीय आदि से निर्मित सीरप।

गुण एवं उपयोग: श्वेत एवं रक्त प्रदर में उपयोगी। इसके सेवन से मासिक धर्म नियमित होता है।

मात्रा व अनुपान: 1 से 2 चम्मच दिन में 2 बार बराबर पानी के साथ।

पैकिंग: 200 मिली0, 450 मिली0।

(प्रदर में उपयोगी)

ज्वरहारी मीठी

मुख्य घटक द्रव्य: कुटकी, द्रोणपुष्पी, करंज, निम्ब छाल, चिरायता आदि से निर्मित अर्क।

गुण एवं उपयोग: ज्वर-जूड़ी, मलेरिया की अत्युत्तम दवा है। मलेरिया के कारण यकृत वृद्धि में उपयोगी है।

मात्रा व अनुपान: 1 से 2 चम्मच दिन में 2 से 3 बार।

पैकिंग: 100 मिली0।

(सभी प्रकार के ज्वर में उपयोगी)

ज्वाला स्टोकिल सीरप

मुख्य घटक द्रव्य: पुनर्नवा, कुश, बॉस, इक्षुमूल, गोक्षुर, छबीला, कुलथी, पाषाणभेद, ढाक फूल, लज्जालू, मकोय, ककड़ी के बीज, दारूहल्दी, शु0 शिलाजीत, श्वेत पर्पटी, मूलीक्षार, शीतलचीनी, सैंधा नमक, सज्जीक्षार आदि से निर्मित सीरप।

गुण एवं उपयोग: यह सीरप मूत्रल है। मूत्राशय एवं वृक्क में उत्पन्न पथरी का भेदनकर निकालने में सहायक हैं। पेशाब की जलन को कम करता हैं।

मात्रा व अनुपान: 2 चम्मच दिन में 3 बार।

पैकिंग: 100 मिली0।

(पथरी में उपयोगी)

JWALA
The Name in Serving of Ayurved

ज्वाला रूपसी सीरप

(रक्तशोधक)

मुख्य घटक द्रव्य: मंजिष्ठा, मौथा, सौंठ, गिलोय, कुटज, कण्टकारी, नीम, हल्दी, बावची, वायविडंग, इन्द्रजौ, भृंगराज, चन्दन, खदिर, दारूहल्दी आदि से निर्मित शर्बत।

गुण एवं उपयोग: कुष्ठ, खाज, खुजली, फोड़े, फुन्सी, मुंहासे, चर्मकील, छाजन, सोरियासिस आदि में लाभकारी।

मात्रा व अनुपान: 1 से 2 चम्मच दिन में 2 से 3 बार।

पैकिंग: 200 मिली0।

ज्वाला पेना सीरप

(वात रोग नाशक)

मुख्य घटक द्रव्य: रास्ना, एरण्ड, घमासा, दालचीनी, कण्टकारी, शतावरी, गोक्षुर, पुनर्नवा, सौंठ, चव्य, वासा, कचूर, देवदारू आदि से निर्मित सीरप।

गुण एवं उपयोग: गठिया, हाथ-पैरों में दर्द व सूजन, कमर दर्द, सूजन, गृध्रसि में उपयोगी।

मात्रा व अनुपान: 1 से 2 चम्मच दिन में 2 से 3 बार।

पैकिंग: 200 मिली0।

लोहाजिन सीरप

(रक्ताणु वर्द्धक)

मुख्य घटक द्रव्य: ऑवला, वायविडंग, नागरमौथा, चित्रकमूल, खुरासानी अजवायन, शतावरी, मुनक्का, माण्डूर भस्म, लोह भस्म आदि से निर्मित सीरप।

गुण एवं उपयोग: यह सीरप लोह की कमी को पूरा करता है। रक्तवर्द्धक हैं। इसके प्रयोग से तनाव व थकान भी दूर होती हैं।

मात्रा व अनुपान: 1 से 2 चम्मच दिन में 2 से 3 बार।

पैकिंग: 200 मिली0।

JWALA
The Name in Serving of Ayurved

मदनटान सीरप

मुख्य घटक द्रव्य: जटामांसी, मौथा, वच, गोखरू, मुनक्का, दालचीनी, अर्जुन, मुलहठी, असगंध, शतावरी, आंवला, भृंगराज, तेजपत्र, इलायची, सफेद मूसली आदि से निर्मित शर्बत।

गुण एवं उपयोग: इसके प्रयोग से शरीर में स्फूर्ति आती है, थकावट दूर होती है। यह पाचन शक्ति को नियमित कर धातुओं को बढ़ाता है।

मात्रा व अनुपान: 1 से 2 चम्मच दिन में 2 से 3 बार।

पैकिंग: 200 मिली0।

(शक्ति वर्द्धक)

लिवकिल सीरप

मुख्य घटक द्रव्य: कासनी, दारूहल्दी, पुनर्नवा, भृंगराज, वायविडंग, हरड़, गिलोय, मकोय, चिरायता द्वारा निर्मित शर्बत।

गुण एवं उपयोग: यकृत वृद्धि, यकृत शोथ, पाण्डु, कामला, रक्ताल्पता आदि में उपयोगी।

मात्रा व अनुपान: 1 से 2 चम्मच दिन में दो से तीन बार।

पैकिंग: 100 मिली0, 200 मिली0।

(यकृत–प्लीहा विकार नाशक)

स्पेशल ब्राह्म सीरप

मुख्य घटक द्रव्य: बाह्मी, शंखपुष्पी, वच, जटामांसी, गुलाब, केवडा, रूमी मस्तंगी, आंवला द्वारा निर्मित शर्बत।

गुण एवं उपयोग: यह सीरप मस्तिष्क को ठण्डा रख उसकी थकावट दूर करके उसे अधिक कार्यशील बनाता है।

मात्रा व अनुपान: 1 से 2 चम्मच दिन में 2 बार।

पैकिंग: 200 मिली0।

(स्मरण शक्ति वर्द्धक)

ज्वाला बाल घुट्टी

मुख्य घटक द्रव्य: सतपुष्पा, वायविड़ंग, अमलतास, छोटी हर्र, वच, जीरा, अजवायन, गुलाब के फूल, पलाश, उन्नाव, मकोय आदि से निर्मित घुट्टी।

गुण एवं उपयोग: छोटे बच्चों के कफ, खांसी, सर्दी, जुकाम, दूध न पचना, फटे बदबूदार दस्त होना आदि विकारों में उपयोगी।

मात्रा व अनुपान: 5 से 20 बूंद दिन में 2 से 3 बार तक गुनगुने पानी में मिलाकर दे।

पैकिंग: 60 मिली0।

(बाल रोग नाशक)

ज्वरहारी कड़वी

मुख्य घटक द्रव्य: कुटकी, द्रोणपुष्पी, गिलोय, चिरायता, करंज आदि।

गुण एवं उपयोग: ज्वर-जूडी तिजारी, चौथेया, यकृत-प्लीहा वृद्धि आदि के लिये उपयोगी।

मात्रा व अनुपान: 1 से 2 चम्मच 2 से 4 बार तक बराबर पानी से।

पैकिंग: 100 मिली0।

(ज्वर में उपयोगी)

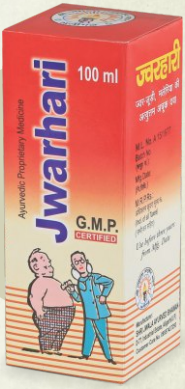

जुकामोना

मुख्य घटक द्रव्य: वासा पत्र, मुलहठी, उन्नाव, गांजवा, लिसोडे, काली मिर्च, अपामार्ग, कटेरी, मुनक्का आदि से निर्मित सीरप।

गुण एवं उपयोग: जुकाम, नजला, खांसी की शीघ्र लाभदायक औषधि हैं।

मात्रा व अनुपान: 1 से 2 चम्मच गुनगुने पानी से दिन में 2 से 3 बार।

पैकिंग: 100 मिली0।

(सर्दी, जुकाम में उपयोगी)

JWALA
The Name in Serving of Ayurved

अर्शान्तक सैट

गुण एवं उपयोग: इसके प्रयोग से मस्से बैठ जाते है, कब्ज दूर होता है, खून का गिरना बन्द होता है। यह ऐनल फिशर, भगन्दर, अर्श में भी लाभकारी हैं।

मात्रा व अनुपान: 1 कैपसूल एवं 1 टैबलेट सुबह-शाम ताजे पानी से सेवन करें तथा मलहम के साथ दी गयी निपिल से गुदा पर लगायें।

पैकिंग: 1 सैट (अर्शान्तक कै0 3x10 (ब्लिस्टर), अर्शान्तक वटी 3x10 (ब्लिस्टर), अर्शान्तक मलहम 25 ग्राम x 1 प्लास्टिक ट्यूब)

(खूनी व वादी बवासीर में उपयोगी)

अर्शान्तक कैपसूल

मुख्य घटक द्रव्य: शु0 भल्लातक, कुटकी, शु0 विजया चूर्ण, शु0 एलुआ, रीठा, नौसादर, निबौली, बीज बकायन, अमलतास, गुग्गल, बेलगिरि, सरफौका, सौंफ आदि से निर्मित कैपसूल।

पैकिंग: 10x3 कैपसूल (ब्लिस्टर), 60 कैपसूल, 120 कैपसूल, 525 कैपसूल।

अर्शान्तक वटी

मुख्य घटक द्रव्य: शु0 पारद, शु0 गंधक, लौह भस्म, अभ्रक भस्म, बेलगिरि, चित्रकमूल, कलिहारि, सौंठ, काली मिर्च, पीपल, पित्तपापड़ा, दन्ती, शु0 सुहागा आदि से निर्मित टैबलेट।

पैकिंग: 10x3 टैबलेट (ब्लिस्टर), 60 टैबलेट, 525 टैबलेट, 250 ग्राम, 500 ग्राम, 1 किलोग्राम।

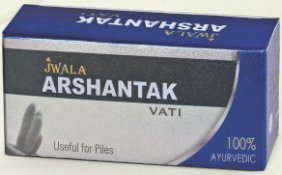

अर्शान्तक मलहम

मुख्य घटक द्रव्य: कत्था, कपूर, सिन्दूर, घृत आदि से निर्मित मलहम।

पैकिंग: 25 ग्राम की प्लास्टिक ट्यूब।

वातरोगहर सैट

गुण एवं उपयोग: इसके व्यवहार से वात रोगों में अवश्य लाभ होता हैं, जैसे–गठिया, हाथ–पैरों की सूजन, कमर दर्द, गृध्रसि, पक्षाघात, अपतन्त्रक, आपेक्षक, सिर में चक्कर आना आदि।

मात्रा व अनुपान: 1 कैपसूल एवं 1 टैबलेट सुबह–शाम हल्के गुनगुने पानी के साथ सेवन करें तथा वातोना मलहम को दर्द के स्थान पर लगाकर गर्म सिकाई करें।

पैकिंग: 1 सैट (वातरोगहर कै0 10x3 (ब्लिस्टर) वातरोगहर वटी 10x3 (ब्लिस्टर), वातोना मलहम 25 ग्राम x 1 प्लास्टिक ट्यूब।

(समस्त वात रोगों की उत्तम औषधि)

वातरोगहर कैपसूल

मुख्य घटक द्रव्य: रसराज रस, वृ0 वात चिन्तामणि रस, वृ0 वातगंजाकुश रस, अग्नितुन्डी वटी, असगंध।

पैकिंग: 10x3 कैपसूल (ब्लिस्टर), 60 कैपसूल, 120 कैपसूल, 525 कैपसूल।

(स्वर्ण मुक्ता युक्त)

वातरोगहर वटी

मुख्य घटक द्रव्य: वृ0 वातगंजाकुश रस, सिंहनाद गूगल, लहसुन, मल्ल सिन्दूर, सौंठ, शु0 कुचला, असगंध, विधारा आदि से निर्मित टैबलेट।

पैकिंग: 10x3 टैबलेट (ब्लिस्टर), 60 टैबलेट, 525 टैबलेट, 250 ग्राम, 500 ग्राम, 1 किलोग्राम।

वातोना मलहम

मुख्य घटक द्रव्य: शु0 कुचला, धतूरा, जायफल, असगंन्ध, विधारा आदि से निर्मित मलहम।

पैकिंग: 25 ग्राम की प्लास्टिक ट्यूब।

JWALA
The Name in Serving of Ayurved

श्वेतकुष्ठहर सैट

(सफेद दाग में उपयोगी)

गुण एवं उपयोग: सफेद दाग बड़ा ही हठीला रोग है। यह औषधियां रस-रक्तादि आदि सप्त धातुओं को शुद्ध कर चर्म का रंग बदलने में अत्यधिक सहायक हैं।

मात्रा व अनुपान: 1-1 कैपसूल सुबह-शाम ताजे पानी के साथ। वटी को पत्थर पर घिसकर सफेद दाग पर लगाने के बाद सूखने पर हटा दें और श्वेतकुष्ठहर घृत को लगायें।

पैकिंग: 1 सैट (श्वेतकुष्ठहर कै0 60x1, श्वेतकुष्ठहर वटी 20 ग्राम x 1, श्वेतकुष्ठहर घृत 30 मि0ली0 x 1)

श्वेतकुष्ठहर कैपसूल

मुख्य घटक द्रव्य: हल्दी, बाबची, काले तिल से निर्मित कैपसूल।

पैकिंग: 60 कैपसूल, 120 कैपसूल, 525 कैपसूल।

श्वेतकुष्ठहर वटी

मुख्य घटक द्रव्य: बाबची, बीज पमार, चित्रक, अन्जीर छाल, करंज, कूठ, कलौंजी, शु0 कज्जली, नीलाथोथा से निर्मित वटी।

पैकिंग: 20 ग्राम, 100 ग्राम, 250 ग्राम, 500 ग्राम, 1 किलोग्राम।

श्वेतकुष्ठहर घृत

मुख्य घटक द्रव्य: हल्दी, बाबची, काले तिल से सिद्ध घृत।

पैकिंग: 30 मिली0, 500 मिली0।

चर्मरोगारि मलहम

(चर्म रोगों में उपयोगी)

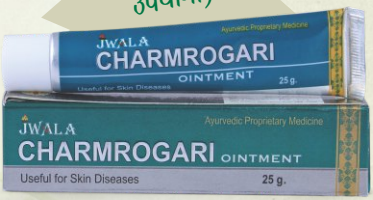

मुख्य घटक द्रव्य: काली मिर्च, निशोथ, दन्ती, आक, देवदार, हल्दी, बालछड़, रक्तचन्दन, कनेर, शु0 हरताल, चित्रक, शु0 मंशिल, वायविडंग, बीज पवाड, नीम, गिलोय, मालकांगनी आदि से निर्मित मलहम।

गुण एवं उपयोग: खाज, खुजली, घाव, फोड़ा-फुन्सी आदि चर्मरोगों पर शीघ्र प्रभावकारी।

मात्रा: आवश्यकतानुसार मलहम लेकर पीडित स्थान पर लगायें।

पैकिंग: 25 ग्राम की प्लास्टिक ट्यूब।

दाद की दवा

(दाद में उपयोगी)

मुख्य घटक द्रव्य: बीज पमाड, फिटकरी, मुरदासन, मंशिल आदि से निर्मित मलहम।

गुण एवं उपयोग: यह दाद की अक्सीर दवा है।

मात्रा: दाद को साफ करके स्वच्छ मोटे वस्त्र से खुजलाने के बाद मलहम लगायें।

पैकिंग: 15 ग्राम की डिब्बी।

नवयौवन मलहम

(नवस्फूर्ति एवं शक्ति वर्द्धक)

मुख्य घटक द्रव्य: कैचुआ, मालकांगनी, असगंध, वीरवहूटी, संखिया आदि से निर्मित मलहम।

गुण एवं उपयोग: मुरदार नसों पर मालिश के लिये अत्यन्त उपयोगी है।

मात्रा: रूई से आवश्यकतानुसार मलहम सुपारी एवं सीवन का भाग छोड़ते हुऐ लिंग पर लगावें तथा उंगली से धीरे-धीरे मालिश करे।

पैकिंग: 10 ग्राम की प्लास्टिक ट्यूब।

JWALA
The Name in Serving of Ayurved

अग्निवर्द्धक क्षार

मुख्य घटक द्रव्य: सौंठ, पिप्पली, काली मिर्च, सैंधव, हींग, जीरा, शंख भस्म, नौसादर, यवक्षार, कलमीशोरा, टाटरी आदि।

गुण एवं उपयोग: कब्ज रहना, गैस बनना, ठीक से दस्त न होना, पेट में दर्द रहना आदि में उपयोगी।

मात्रा व अनुपान: 2 से 3 ग्राम भोजन के बाद गुनगुने पानी के साथ।

पैकिंग: 50 ग्राम, 100 ग्राम, 250 ग्राम, 500 ग्राम, 1 किलोग्राम।

(कब्ज हटाये गैस भगाये)

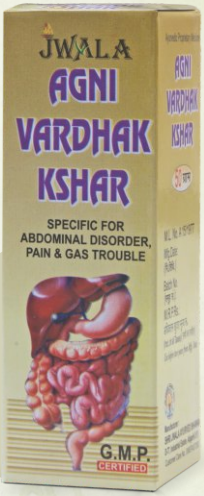

ज्वाला चूर्ण

मुख्य घटक द्रव्य: सैंधव, नीबू सत्व, हींग, जीरा, काली मिर्च, सौंठ आदि।

गुण एवं उपयोग: पेट में बनने वाली गैस, अम्लपित्त के कारण खट्टी डकार, अपच, कब्ज में लाभकारी।

मात्रा व अनुपान: 2 से 3 ग्राम भोजन के बाद गुनगुने पानी के साथ।

पैकिंग: 50 ग्राम, 100 ग्राम, 250 ग्राम, 500 ग्राम, 1 किलोग्राम।

(अम्लपित्त, गैस में उपयोगी)

नरसिंह चूर्ण

(धातु–पौष्टिक चूर्ण)

मुख्य घटक द्रव्य: लिसोड़े, तालमखाना, रेवतचीनी, इलायची, कवावचीनी, गुलनार, कतीरा, कत्था आदि।

गुण एवं उपयोग: यह चूर्ण धातु की दुर्बलता दूर करता हैं, वीर्य को गाढ़ा बनाता हैं। स्वप्नदोष आदि वीर्य विकारों की अद्वितीय औषधि है।

मात्रा व अनुपान: 2 से 3 ग्राम दिन में 2 बार दूध के साथ।

पैकिंग: 50 ग्राम, 100 ग्राम, 250 ग्राम, 500 ग्राम, 1 किलोग्राम।

पायरो मंजन

(पायरिया में उपयोगी)

मुख्य घटक द्रव्य: सादा नमक, बीज तोमर, बादाम के छिलके आदि।

गुण एवं उपयोग: दातों से खून आना, मवाद आना, टीस मारना, पानी लगना आदि विकार दूर होते है।

मात्रा व अनुपान: आवश्यकतानुसार मंजन लेकर दिन में 2 बार तक प्रयोग करें।

पैकिंग: 50 ग्राम, 100 ग्राम, 250 ग्राम, 500 ग्राम, 1 किलोग्राम।

मनोहर चूर्ण

(स्वादिष्ट, शीतल, पाचक चूर्ण)

मुख्य घटक द्रव्य: जीरा भुना, सैंधव, टाटरी, काला नमक, काली मिर्च, हींग आदि।

गुण एवं उपयोग: कब्ज रहना, गैस बनना, ठीक से दस्त ना होना, पेट दर्द होना आदि विकारों में उपयोगी।

मात्रा व अनुपान: 2 से 3 ग्राम भोजन के बाद गुनगुने पानी से।

पैकिंग: 40 ग्राम।

रूपसी उबटन

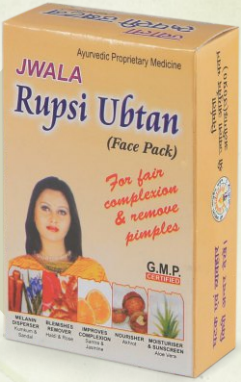

(फेस पैक)

मुख्य घटक द्रव्य: जायफल, कपूर, चन्दन, छबीला, जटामांसी, चिरोंजी, कूठ, मंजीठ, हल्दी, कुमकुम, सन्तरा, अखरोट, ग्वारपाठा, मुल्तानी आदि।

गुण एवं उपयोग: इसके नियमित प्रयोग से रूप रंग में निखार आता है, मुंहासों पर स्थायी लाभ होता है।

मात्रा व अनुपान: आवश्यकतानुसार उबटन कच्चे दूध में घोलकर लेप करें, थोडी देर बाद गीला करके रगड़ कर उतारें।

पैकिंग: 50 ग्राम, 100 ग्राम, 250 ग्राम, 500 ग्राम, 1 किलोग्राम।

हर्बल हेयर चूर्ण

(केश रोग में उपयोगी)

मुख्य घटक द्रव्य: आंवला, भृंगराज, हरड़, मुलहठी, स्वर्णमाक्षिक भस्म, चीनी आदि।

गुण एवं उपयोग: बाल झड़ने, उडने व असमय सफेद होने में उपयोगी।

मात्रा व अनुपान: 2 से 3 ग्राम दिन में 2 बार ताजे पानी के साथ।

पैकिंग: 100 ग्राम, 200 ग्राम, 250 ग्राम, 500 ग्राम, 1 किलोग्राम।

हर्बल हेयर पाउडर

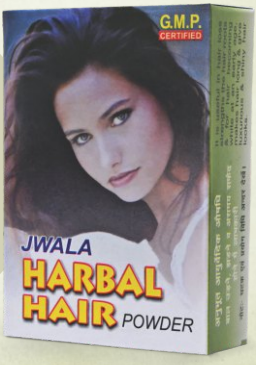

(बाल (केश) धोने में उपयोगी)

मुख्य घटक द्रव्य: आंवला, बालछड़, कलोंजी, मैथी, मुलतानी, शीकाकाई, भृंगराज, नीम के पत्ते आदि।

गुण एवं उपयोग: बाल झड़ने, उडने व असमय सफेद होने में उपयोगी।

मात्रा व अनुपान: आवश्यकतानुसार पाउडर रात में लोहे के बर्तन में भिगोकर सुबह आधा घण्टे बालों पर लगाये। तत्पश्चात् बाल धो लें।

पैकिंग: 100 ग्राम, 200 ग्राम, 250 ग्राम, 500 ग्राम, 1 किलोग्राम।

कर्पूरधारा अर्क

मुख्य घटक द्रव्य: कर्पूर, पिपरमैन्ट, सत्व अजवायन।
मात्रा व अनुपान: यह अर्क हैजा, अतिसार, मन्दाग्नि, अरुचि, उदरशूल, वमन, दन्तशूल आदि में लाभकारी।
मात्रा व अनुपान: 1 से 4 बूंद तक दिन में 3 से 4 बार बताशे अथवा शक्कर में। **पैकिंग:** 3 मिली0।

(जीवन स्सायन)

नेत्रामृत अंजन

मुख्य घटक द्रव्य: काली मिर्च, दुधवच, पिप्पली, बहेड़ा, मंशिल, पिपरमेंट, इलायची, शीतलचीनी आदि से निर्मित सुरमा।
गुण एवं उपयोग: नेत्र रोगों में उपयोगी।
मात्रा व अनुपान: सुबह तथा रात्रि को कांच की सलाई से उपयोग करें। **पैकिंग:** 5 ग्राम।

(आंखों का सुरमा)

नेत्रामृत बिन्दु

मुख्य घटक द्रव्य: रसौत, स्फटिका भस्म, भीमसैनी कर्पूर, गुलाब जल आदि।
गुण एवं उपयोग: दर्द, करकराहट, लालिमा, दुखती आंखों में शीघ्र प्रभावकारी।
मात्रा व अनुपान: 1 से 2 बूंद दिन में 3 से 4 बार।
पैकिंग: 5 मिली0।

(आई ड्राप)

मुख विलास

मुख्य घटक द्रव्य: गांजवां कोयला, शीतलचीनी, इलायची, कत्था, छोटी दुद्धी, शु0 तूतिया से निर्मित।
गुण एवं उपयोग: मुख पाक, मुंह के छालों में उपयोगी।
मात्रा व अनुपान: 1 चुटकी दवा मुंह में डाले 5-7 मिनट बाद मुंह नीचा करके लार टपका दें। इस प्रकार दिन में 3-4 बार प्रयोग करें।
पैकिंग: 5 ग्राम।

(मुंह के छाले में उपयोगी)

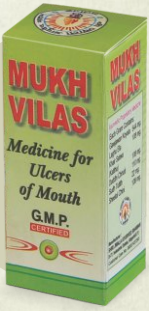

JWALA
The Name in Serving of Ayurved

कनकन तैल

गुण एवं उपयोग: पलाण्डु, मूली, सैंधव आदि द्वारा सिद्ध तैल।

मात्रा व अनुपान: कान से मवाद आना, कान में सांय-सांय आवाज आना, कम सुनाई देना आदि में उपयोगी

मात्रा: 1 से 2 बूंद दिन में 2 बार।

पैकिंग: 10 मिली0।

(कर्ण रोग में उपयोगी)

खाजारि तैल

मुख्य घटक द्रव्य: गंधक, वावची आदि द्वारा सिद्ध तैल।

गुण एवं उपयोग: खाज गीली हो या सूखी कैसी भी हो अक्सीर हैं।

मात्रा: आवश्यकतानुसार तैल खाज-खुजली पर दिन में 2 बार लगायें। **पैकिंग:** 60 मिली0, 500 मिली0।

(खाज, खुजली में उपयोगी)

शोषान्तक तैल

मुख्य घटक द्रव्य: सुखे केचुआ द्वारा सिद्ध तैल।

गुण एवं उपयोग: इसके मालिश से बच्चे में स्फूर्ति बढ़ेगी, मांसपेशियाँ सुदृढ़ हो जायेगी तथा हड्डियों में ताकत पहुँचेगी, सूखा रोग में उपयोगी है।

मात्रा: आवश्यकतानुसार तैल से सम्पूर्ण शरीर को धीरे-धीरे मालिश करें। **पैकिंग:** 60 मिली0, 500 मिली0।

(सूखा रोग में उपयोगी)

सुनींदी तैल

मुख्य घटक द्रव्य: आंवला, नागरमौथा, बहेडा बक्कुल, धनियाँ, केला आदि से सिद्ध तैल।

गुण एवं उपयोग: मानसिक चिन्ता, उन्माद, सिर दर्द, अनिद्रा में उपयोगी।

मात्रा: आवश्यकतानुसार तैल लेकर धीरे-धीरे सिर तथा माथे पर मालिश करें। **पैकिंग:** 60 मिली0, 500 मिली0।

(अनिद्रा में उपयोगी)

कामशक्ति केशरी

मुख्य घटक द्रव्य: स्वर्ण भस्म, हीरा भस्म, माणिक्य पिष्टी, पन्ना पिष्टी, रजत भस्म, नाग भस्म, शु0 कज्जली, तालमखाना, सालममिश्री, लौंग, केसर, सौंठ, जायफल, जावित्री, रूमी मस्तंगी, मालकांगनी आदि से निर्मित गोली।

गुण एवं उपयोग: इन्द्रिय की कमजोरी, सुस्ती, क्लीवता, ढीलापन, पतलापन, शीघ्रपतन आदि में उपयोगी।

मात्रा व अनुपान: 1-1 गोली सुबह-शाम दूध के साथ।

पैकिंग: 60 गोली, 525 गोली, 250 ग्राम, 500 ग्राम 1 किलोग्राम।

(कामशक्ति वर्द्धक)

नपुंसकत्वारि

मुख्य घटक द्रव्य: शु0 हिंगुल, शु0 ताल, शु0 कुचला, स्वर्ण भस्म, रजत भस्म, सालमपंजा आदि।

गुण एवं उपयोग: इन्द्रिय की कमजोरी, दम फूलना, स्तम्भन शक्ति की कमी, शीघ्रपतन आदि में उपयोगी।

मात्रा व अनुपान: 1-1 गोली दिन में सुबह-शाम दूध के साथ।

पैकिंग: 60 गोली, 525 गोली, 250 ग्राम, 500 ग्राम 1 किलोग्राम।

(कामशक्ति वर्द्धक)

ज्वाला वातरोगहर वटी गोल्ड

मुख्य घटक द्रव्य: स्वर्ण भस्म, रजत भस्म, रस सिन्दूर, मल्ल सिन्दूर, मुक्ता भस्म, बंग भस्म, ताम्र भस्म, अकरकरा, शु0 कुचला, शु0 बच्छनाग आदि से निर्मित स्वर्ण बंग कोटेड टैबलेट।

गुण एवं उपयोग: गठिया, हाथ पैरों की सूजन, कमर दर्द, ग्रधृसि, पक्षाघात, अपतन्त्रक, आक्षेपक, सिर में चक्कर आना आदि में उपयोगी।

मात्रा व अनुपान: 1-1 टैबलेट सुबह-शाम गुनगुने पानी के साथ सेवन करें।

पैकिंग: 10 टैबलेट, 30 टैबलेट, 60 टैबलेट।

(वातरोग नाशक)

गोमूत्र पुनर्नवादि घनवटी

(यकृत प्लीहा विकार में उपयोगी)

मुख्य घटक द्रव्य: पुनर्नवा, कुटकी, त्रिफला, नागरमोथा, गोक्षुर, कालीजीरी के घनसत्व। भावना–गौमूत्र।

गुण एवं उपयोग: पाण्डु, यकृत वृद्धि, प्लीहा वृद्धि, शोथ, कामला, ज्वर आदि में उपयोगी।

मात्रा व अनुपान: 1 से 2 गोली दिन में 2 से 3 बार गुनगुने पानी के साथ।

पैकिंग: 50 ग्राम, 100 ग्राम, 250 ग्राम, 500 ग्राम, 1 किलोग्राम।

क्लीन पिल्स

(चर्मविकार में उपयोगी)

मुख्य घटक द्रव्य: सत्यानाशी, निम्ब, कुटकी, सारिवा, मंजिष्ठा के घनसत्व, गंधक रसायन, रस माणिक्य, गिलोय सत्व।

गुण एवं उपयोग: रक्त एवं त्वचा के विकार, कुष्ठ, खाज, खुजली, फोडे, फुन्सी, मुंहासे, छाजन, सोरायसिस आदि में लाभकारी।

मात्रा व अनुपान: 1–2 गोली दिन में 2 से 3 बार ताजे पानी से।

पैकिंग: 60 गोली, 525 गोली, 250 ग्राम, 500 ग्राम, 1 किलोग्राम।

शू-क्योर टैबलेट

(मधुमेह में उपयोगी)

मुख्य घटक द्रव्य: उदम्बर घनसत्व, वासा पत्र, मैथी, शु0 शिलाजीत, त्रिबंग भस्म, गुडमार, जामुन की गुठली।

गुण एवं उपयोग: इसके नियमित प्रयोग से रक्तगत शर्करा कम होती है।

मात्रा व अनुपान: 1–2 टैबलेट सुबह–शाम ताजे पानी के साथ।

पैकिंग: 30 टैबलेट, 60 टैबलेट, 525 टैबलेट, 250 ग्राम, 500 ग्राम, 1 किलोग्राम।

सिद्ध चन्द्रोदय वटी

(नवजीवन एवं नवस्फूर्तिदाता)

मुख्य घटक द्रव्य: सिद्ध मकरध्वज, त्रिफला, शु0 कुपीलु, शु0 विजया आदि से निर्मित गोली।

गुण एवं उपयोग: शक्तिवर्द्धक, पाचक, धातुवर्द्धक, वीर्य विकार नाशक अनुपम गोलियां।

मात्रा व अनुपान: 1 से 4 गोली तक दिन में 2 से 3 बार दूध के साथ।

पैकिंग: 30 गोली, 60 गोली, 125 गोली, 500 गोली, 250 ग्राम, 500 ग्राम, 1 किलोग्राम।

गोल्ड चन्द्रोदय पिल्स

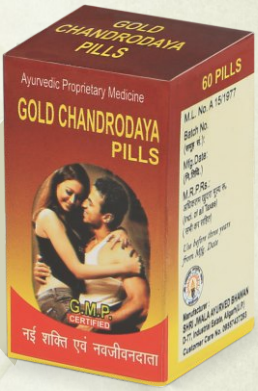

(शक्ति वर्द्धक अनुपम पिल्स)

मुख्य घटक द्रव्य: सिद्ध चन्द्रोदय, स्वर्ण बंग, शु0 विजया, कौच बीज, त्रिफला आदि से निर्मित गोली।

गुण एवं उपयोग: शक्तिवर्द्धक, पाचक, धातुवर्द्धक, वीर्य विकार नाशक अनुपम गोलियां।

मात्रा व अनुपान: 1-2 गोली सुबह-शाम दूध के साथ।

पैकिंग: 60 गोली, 525 गोली, 250 ग्राम, 500 ग्राम, 1 किलोग्राम।

कासनासी टैबलेट

(खांसी में चूसने योग्य)

मुख्य घटक द्रव्य: मुलहठी घनसत्व, खदिर, पीपल, दालचीनी आदि से निर्मित टैबलेट।

गुण एवं उपयोग: सूखी अथवा तर खांसी में चूसने योग्य टैबलेट।

मात्रा व अनुपान: 1-1 टैबलेट दिन में 3 से 4 बार तक चूसे।

पैकिंग: 50 टैबलेट, 525 टैबलेट, 250 ग्राम, 500 ग्राम, 1 किलोग्राम।

JWALA
The Name in Serving of Ayurved

अतिसारान्तक कैपसूल

मुख्य घटक द्रव्य: बेलगिरि, नागरमोथा, नेत्रबला, कुटज, अतीस के घनसत्व, शंख भस्म आदि।

गुण एवं उपयोग: उत्तम ग्राही, क्षोभहर, शामक, आमपाचक हैं। संग्रहणी, अतिसार में लाभकारी है।

मात्रा व अनुपान: 1 से 2 कैपसूल दिन में 2 से 3 बार ताजे पानी से।

पैकिंग: 60 कैपसूल, 120 कैपसूल, 525 कैपसूल।

(अतिसार नाशक)

एसीकिल कैपसूल

मुख्य घटक द्रव्य: कचूर, मुलहठी, आंवला, जहरमोहरा पिष्टी, कामदुधा रस, वायविडंग आदि।

गुण एवं उपयोग: जलन के साथ खट्टी डकार, कड़वा या खट्टा वमन, कोष्ठ में जलन, अम्लपित्त में उपयोगी है।

मात्रा व अनुपान: 1 से 2 कैपसूल दिन में 2 से 3 बार ताजे पानी से।

पैकिंग: 60 कैपसूल, 120 कैपसूल, 525 कैपसूल।

(अम्लपित्त में उपयोगी)

कैल्सीं कैपसूल

मुख्य घटक द्रव्य: शंख भस्म, प्रवाल भस्म, मुक्ता शुक्ति भस्म। भावना–गुलाब जल।

गुण एवं उपयोग: इसके प्रयोग से कैल्शियम की कमी दूर होती है।

मात्रा व अनुपान: 1 से 2 कैपसूल दिन में 2 से 3 बार दूध के साथ ।

पैकिंग: 60 कैपसूल, 120 कैपसूल, 525 कैपसूल।

(कैल्शियम पूर्तिकर)

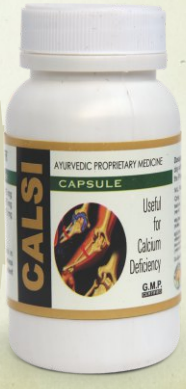

कैल्सी लौह कैपसूल

(कैल्शियम, लौह पूर्तिकर)

मुख्य घटक द्रव्य: शंख भस्म, प्रवाल भस्म, मुक्ता शुक्ति भस्म, लौह भस्म। भावना–गुलाब जल।

गुण एवं उपयोग: यह कैपसूल कैल्शियम तथा लोह की कमी को पूरा करते है, तथा रक्तवर्द्धक है।

मात्रा व अनुपान: 1–1 कैपसूल सुबह–शाम दूध के साथ।

पैकिंग: 60 कैपसूल, 120 कैपसूल, 525 कैपसूल।

कृमिघातनी कैपसूल

(उदर कृमि नाशक)

मुख्य घटक द्रव्य: जीरा, छोटी पीपल, हर्रबक्कुल, हल्दी, कबीला, पलाश, वायविडंग, अडूसा, रूमी अफसन्तीन आदि।

गुण एवं उपयोग: पेट के हर प्रकार के कीड़ों पर प्रभावशाली है। कृमियों से होने वाले विकार ठीक होते है।

मात्रा व अनुपान: 1 से 2 कैपसूल दिन में 2 बार गुनगुने पानी से।

पैकिंग: 60 कैपसूल, 120 कैपसूल, 525 कैपसूल।

क्लीवारि कैपसूल

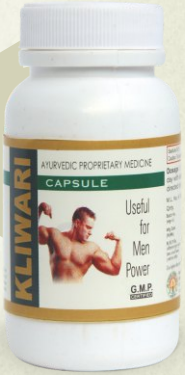

(बल, वीर्य, कान्ति व ओज वर्द्धक)

मुख्य घटक द्रव्य: मल्ल सिन्दूर, शु0 विजया चूर्ण, शु0 कुचला चूर्ण, असगंध, त्रिफला, लौंग, जायफल, जावित्री, अकरकरा, शु0 शिलाजीत। भावना–पान पत्र स्वरस।

गुण एवं उपयोग: नपुंसकता, इन्द्रिय की दुर्बलता, शीघ्रपतन, वीर्य का अभाव, पतलापन, स्तम्भन शक्ति की कमी के लिये अत्युत्तम है।

मात्रा व अनुपान: 1–1 कैपसूल सुबह–शाम गर्म दूध के साथ।

पैकिंग: 60 कैपसूल, 120 कैपसूल, 525 कैपसूल।

गोनारि कैपसूल

मुख्य घटक द्रव्य: बंग भस्म, प्रवाल भस्म, गिलोय सत्व, श्वेत पर्पटी।

गुण एवं उपयोग: सुजाक, मूत्रकच्छ में उपयोगी।

मात्रा व अनुपान: 1–1 कैपसूल सुबह–दोपहर –शाम ताजे पानी के साथ।

पैकिंग: 60 कैपसूल, 120 कैपसूल, 525 कैपसूल।

(सुजाक में उपयोगी)

गैसोना कैपसूल

मुख्य घटक द्रव्य: सैंधव, मुंडी, पीपल, अनारदाना, जीरा, चित्रक, वायविडंग, अम्लवेतस, इन्द्रजौ, हींग, माण्डूर भस्म, शु0 सुहागा, लहसुन, शु0 कुचला चूर्ण आदि। भावना–नींबू स्वरस।

गुण एवं उपयोग: इसके प्रयोग से अजीर्ण, भूख न लगना, अफारा, पेट का भारीपन, पेट में गैस बनना बन्द होता है। यह उदरशूल में लाभकारी है। इसके प्रयोग से खाया पीया हजम होता है।

मात्रा व अनुपान: 1–1 कैपसूल 2–3 बार गुनगुने पानी अथवा ज्वाला उदरामृत पेय के साथ।

पैकिंग: 60 कैपसूल, 120 कैपसूल, 525 कैपसूल।

(गैस, उदरशूल में उपयोगी)

ग्रहणी संहार कैपसूल

मुख्य घटक द्रव्य: रस सिन्दूर, शु0 गंधक, त्रिकटु, पंचलवण, अजमोद, जीरा, हींग, शु0 विजया चूर्ण।

गुण एवं उपयोग: यह कैपसूल संग्रहणी के लिये रामवाण है। यह अग्नि को दीप्त करता है तथा अजीर्ण, भोजन के बाद पतला दस्त होना, पेट में दर्द होना, अतिसार को दूर करता है। तथा कच्ची आंव का पाचन करता है।

मात्रा व अनुपान: 1–1 कैपसूल सुबह–शाम ताजे पानी के साथ अथवा मठा के साथ।

पैकिंग: 60 कैपसूल, 120 कैपसूल, 525 कैपसूल।

(संग्रहणी में उपयोगी)

ज्वरान्तक कैपसूल

मुख्य घटक द्रव्य: महामृत्युंजय रस, लक्ष्मीविलास रस, त्रिभुवन कीर्ति रस, गोदन्ती हरताल भस्म। भावना–चिरायता क्वाथ।

गुण एवं उपयोग: इसके प्रयोग से सभी प्रकार के ज्वर एवं विषम ज्वर में लाभ होता है। सर्दियों में होने वाले प्रतिश्याय (जुकाम) के लिये उत्तम है।

मात्रा व अनुपान: 1–1 कैपसूल सुबह– दोपहर– शाम गर्म पानी के साथ।

पैकिंग: 60 कैपसूल, 120 कैपसूल, 525 कैपसूल।

(सर्दी, जुकाम, ज्वर में उपयोगी)

पाण्डुनौल कैपसूल

मुख्य घटक द्रव्य: कुटकी, लौह भस्म, माण्डूर भस्म आदि।

गुण एवं उपयोग: इसके सेवन से यकृत प्लीहा वृद्धि, कामला, रक्ताल्पता, कब्जियत, यकृत वृद्धि के कारण होने वाले रोग दूर होते हैं। यह यकृत दोष में अक्सीर है।

मात्रा व अनुपान: 1–1 कैपसूल सुबह–दोपहर –शाम गुनगुने पानी के साथ।

पैकिंग: 60 कैपसूल, 120 कैपसूल, 525 कैपसूल।

(पाण्डु, कामला में उपयोगी)

फीलान्त कैपसूल

मुख्य घटक द्रव्य: रस सिन्दूर, नित्यानन्द रस, योगराज गूगल, हरीतकी। भावना–गौमूत्र।

गुण एवं उपयोग: सभी तरह के तथा सभी जगह के फाइलेरिया में विशेष उपयोगी है।

मात्रा व अनुपान: 1–1 कैपसूल सुबह–शाम ताजे पानी से अथवा गौमूत्र से।

पैकिंग: 60 कैपसूल, 120 कैपसूल, 525 कैपसूल।

(फाइलेरिया में उपयोगी)

बिबन्धहारी कैपसूल

मुख्य घटक द्रव्य: निशोथ, अश्वकंचुकी (घोडाचोली) रस।

गुण एवं उपयोग: मलावरोध, अपचन, ज्वरकालीन बिबन्ध में शीघ्र लाभ होता है।

मात्रा व अनुपान: 1 कैपसूल रात्रि को पानी के साथ।

पैकिंग: 60 कैपसूल, 120 कैपसूल, 525 कैपसूल।

(मलावरोध में उपयोगी)

मलेरियाहर कैपसूल

मुख्य घटक द्रव्य: शु0 गौरीपाषाण, गिलोय सत्व, वंशलोचन।

गुण एवं उपयोग: यह कैपसूल पाली देकर आने वाले ज्वर के लिये उत्तम है।

मात्रा व अनुपान: 1 कैपसूल ज्वर आने से पूर्व अथवा सुबह-दोपहर-शाम गुनगुने पानी से।

पैकिंग: 60 कैपसूल, 120 कैपसूल, 525 कैपसूल।

(मलेरिया में उपयोगी)

मदनशक्ति कैपसूल

मुख्य घटक द्रव्य: मल्ल सिन्दूर, शु0 कुचला चूर्ण, असगंध, त्रिफला, लौंग, जायफल, जावित्री, अकरकरा आदि। भावना-पान पत्र स्वरस।

गुण एवं उपयोग: नामर्दी, नपुंसकता, वृद्धावस्था जन्य निर्बलता तथा शीघ्रपतन की विशेष उत्तम दवा हैं। स्तम्भन में उपयोगी है।

मात्रा व अनुपान: 1-1 कैपसूल सुबह-शाम दूध के साथ।

पैकिंग: 10x5 कैपसूल (ब्लिस्टर), 60 कैपसूल, 120 कैपसूल, 525 कैपसूल।

(शक्ति एवं स्फूर्ति दायक)

मधुना कैपसूल

(मधुमेह में उपयोगी)

मुख्य घटक द्रव्य: जायफल, काली मिर्च, पिप्पली, रस सिन्दूर, पलाश, करील फल, त्रिबंग भस्म, शु0 शिलाजीत, स्वर्ण बंग भस्म।

गुण एवं उपयोग: इसके प्रयोग से रक्त और मूत्रगत शर्करा कम होती है।

मात्रा व अनुपान: 2-2 कैप्सूल सुबह-शाम ताजे पानी से।

पैकिंग: 5x10 कैपसूल (ब्लिस्टर), 60 कैपसूल, 120 कैपसूल, 525 कैपसूल।

मेदना कैपसूल

(मेदोवृद्धि में उपयोगी)

मुख्य घटक द्रव्य: सौंठ, काली मिर्च, पीपल, चित्रकमूल, नागर मोथा, हरड़, बहेड़ा, आंवला, वायविडंग, शु0 गूगल, अण्डी।

गुण एवं उपयोग: यह कैपसूल मेद (चर्बी) को जलाता है और नयी मेद की उत्पत्ति नही होने देता है।

मात्रा व अनुपान: 1-1 कैप्सूल सुबह-शाम गुनगुने पानी के साथ।

पैकिंग: 5x10 कैपसूल (ब्लिस्टर), 60 कैपसूल, 120 कैपसूल, 525 कैपसूल।

मदनशक्ति गोल्ड कैपसूल

(शक्ति एंव स्फूर्ति दायक स्वर्ण युक्त)

मुख्य घटक द्रव्य: स्वर्ण भस्म, रजत भस्म, सिद्ध मकरध्वज, मल्ल सिन्दूर, बंग भस्म, शु कुचला चूर्ण, त्रिफला चूर्ण, असगंध, लौंग, जायफल, जावित्री, अकरकरा, शुद्ध शिलाजीत आदि।

गुण एवं उपयोग: नामर्दी, नपुंसकता, वृद्धावस्था जन्य निर्बलता तथा शीघ्रपतन की उत्तम औषधि एवं स्तम्भन में विशेष उपयोगी है।

मात्रा व अनुपान: 1-1 कैपसूल सुबह-शाम दूध के साथ।

पैकिंग: 10 कैपसूल (ब्लिस्टर)

JWALA
The Name in Serving of Ayurved

रक्तशोधन कैपसूल

मुख्य घटक द्रव्य: रस माणिक्य, गंधक रसायन।

गुण एवं उपयोग: इसके व्यवहार से सभी प्रकार के कुष्ठ, खाज, खुजली आदि सम्पूर्ण रक्तविकारों में लाभ होता हैं।

मात्रा व अनुपान: 1-1 कैपसूल सुबह-शाम जल अथवा ज्वाला रूपसी सीरप के साथ।

पैकिंग: 60 कैपसूल, 120 कैपसूल, 525 कैपसूल।

(रक्त विकार में उपयोगी)

रजावरोधान्तक कैपसूल

मुख्य घटक द्रव्य: अजवायन, काली मिर्च, कासीस भस्म, एलुआ, पिप्पली, टंकण भस्म, हींग। भावना-ग्वारपाठा।

गुण एवं उपयोग: इसके व्यवहार से अल्परजता, असमय मासिक धर्म, मासिक धर्म में कष्ट होना तथा इसके कारण सिर दर्द, कमर दर्द में लाभ होता है।

मात्रा व अनुपान: 1-1 कैपसूल सुबह-दोपहर-शाम गर्म पानी के साथ।

पैकिंग: 60 कैपसूल, 120 कैपसूल, 525 कैपसूल।

(अल्परजता में उपयोगी)

रक्तचापहारी कैपसूल

मुख्य घटक द्रव्य: सर्पगन्धा, खुरासानी अजवायन, जटामांसी, पीपरामूल आदि।

गुण एवं उपयोग: रक्तचाप वृद्धि (हाई ब्लड प्रेशर) में यह कैपसूल बहुत श्रेष्ठ हैं। इनका प्रयोग हिस्टीरिया उन्माद, मस्तिष्क की उत्तेजना, अनिद्रा में लाभकारी हैं।

मात्रा व अनुपान: 1-1 कैपसूल सुबह-दोपहर-शाम ताजे पानी के साथ।

पैकिंग: 60 कैपसूल, 120 कैपसूल, 525 कैपसूल।

(हाई ब्लड प्रेशर में उपयोगी)

रुदन्ती नं0 1 कैपसूल

मुख्य घटक द्रव्य: रुदन्ती फल, स्वर्ण बसन्त मालती, प्रवाल भस्म, वंशलोचन, पिप्पली, इलायची, दालचीनी आदि।

गुण एवं उपयोग: यह कैपसूल जीर्ण ज्वर, विषम ज्वर, धातुगत ज्वर, हृदयगत ज्वर, धातुगत क्षीणता को दूर करते है। यह कैपसूल क्षय रोगियों के लिये अमृत के समान है।

मात्रा व अनुपान: 1-2 कैपसूल सुबह-शाम दूध के साथ।

पैकिंग: 60 कैपसूल, 120 कैपसूल, 525 कैपसूल।

(राजयक्ष्मा में उपयोगी)

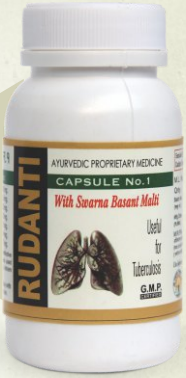

रुदन्ती नं0 2 कैपसूल

मुख्य घटक द्रव्य: रुदन्ती फल, लघु मालती, प्रवाल भस्म, सितोपलादि चूर्ण।

गुण एवं उपयोग: यह कैपसूल जीर्ण ज्वर, विषम ज्वर, धातुगत ज्वर, हृदयगत ज्वर, धातुगत क्षीणता को दूर करते है। यह कैपसूल क्षय रोगियों के लिये अमृत के समान है।

मात्रा व अनुपान: 1-2 कैपसूल सुबह-शाम दूध के साथ।

पैकिंग: 60 कैपसूल, 120 कैपसूल, 525 कैपसूल।

(राजयक्ष्मा में उपयोगी)

ल्यूकोना कैपसूल

मुख्य घटक द्रव्य: अशोक घनसत्व, लोध्र घनसत्व, माजूफल, मोचरस, त्रिबंग भस्म, लोह भस्म, प्रवाल भस्म, स्फटिका भस्म।

गुण एवं उपयोग: इसके व्यवहार से श्वेत एवं रक्त प्रदर, योनिशूल, कमर दर्द, मासिकधर्म विकृति, मूत्रकृच्छ आदि नष्ट होते है।

मात्रा व अनुपान: 1-2 कैपसूल सुबह-शाम पानी अथवा स्त्री कल्याण सुधा के साथ।

पैकिंग: 5x10 कैपसूल (ब्लिस्टर), 60 कैपसूल, 120 कैपसूल, 525 कैपसूल।

(श्वेत एवं रक्त प्रदर में उपयोगी)

लिवकिल कैपसूल

मुख्य घटक द्रव्य: कुटकी, पुनर्नवा, भृंगराज, चिरायता, मकोय, सरफौंका, दारूहल्दी, कासनी, शंख भस्म, लोह भस्म, माण्डूर भस्म।

गुण एवं उपयोग: यह कैपसूल यकृत वृद्धि, यकृत शोथ, यकृत शूल, कामला या पीलिया, मंदाग्नि, पाण्डु आदि में विशेष हितकर है। यह कैपसूल पाचन क्रिया को सुधारता है।

मात्रा व अनुपान: 1 से 2 कैपसूल सुबह-शाम पानी अथवा लिवकिल सीरप के साथ।

पैकिंग: 60 कैपसूल, 120 कैपसूल, 525 कैपसूल।

(यकृत रोगों में उपयोगी)

श्वासहारी कैपसूल

मुख्य घटक द्रव्य: सोमकल्प, मुलहठी, शु0 सुहागा, शु0 स्फटिका आदि। भावना-धत्तूर पत्र स्वरस।

गुण एवं उपयोग: इसके व्यवहार से श्वास का शमन होता है।

मात्रा व अनुपान: 1-1 कैपसूल सुबह-दोपहर-शाम गुनगुने पानी के साथ।

पैकिंग: 60 कैपसूल, 120 कैपसूल, 525 कैपसूल।

(श्वास में उपयोगी)

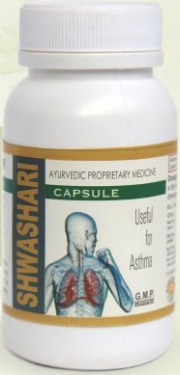

शिलाजीत कैपसूल

मुख्य घटक द्रव्य: शु0 शिलाजीत, असगन्ध।

गुण एवं उपयोग: शिलाजीत एक उत्तम रसायन है। रक्त संचार को बढ़ाता है शुक्र को गाढ़ा करता है, मूत्र संस्थान के रोगो में लाभकारी है, मधुमेह में इसका विशेष उपयोग है।

मात्रा व अनुपान: 1-1 कैपसूल सुबह-शाम दूध के साथ।

पैकिंग: 10x5 कैपसूल (ब्लिस्टर), 60 कैपसूल, 120 कैपसूल, 525 कैपसूल।

(रसायन एवं बाजीकारक)

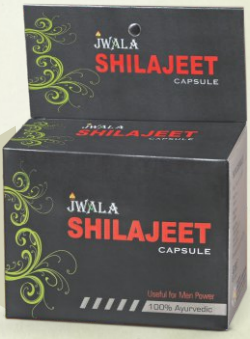

शोषान्तक कैपसूल

मुख्य घटक द्रव्य: प्रवाल भस्म, मुक्ता शुक्ती भस्म, शंख भस्म, बराटिका भस्म, गोदन्ती भस्म, टंकण क्षार आदि।

गुण एवं उपयोग: अस्थि मर्दन, बाल शोष (सूखा) में लाभकारी। बच्चे के कैल्शियम की कमी तुरन्त पूरी होती है। बच्चे का शरीर बलवान व निरोगी होता है।

मात्रा व अनुपान: 1-1 कैपसूल सुबह-शाम पानी के साथ।

पैकिंग: 60 कैपसूल, 120 कैपसूल, 525 कैपसूल।

(अस्थि मर्दन एंव सूखा रोग पर लामकारी)

शूलारि कैपसूल

मुख्य घटक द्रव्य: गौमूत्र भावित पिप्पली चूर्ण।

गुण एवं उपयोग: सर्दी, जुकाम, इन्फ्लूएंजा, अर्धकपारी, मलेरिया ज्वर, पसली का दर्द, वायु का दर्द, दन्तशूल आदि में लाभकारी है। यह ह्रदय आदि किसी भी अंग को हानि नही पहुँचाता है।

मात्रा व अनुपान: 1 से 2 कैपसूल सुबह-शाम पानी के साथ।

पैकिंग: 60 कैपसूल, 120 कैपसूल, 525 कैपसूल।

(सभी प्रकार के दर्द में उपयोगी)

स्टोनिल कैपसूल

मुख्य घटक द्रव्य: श्वेत पर्पटी, गोक्षुर, पाषाणभेद, प्रवाल पिष्टी, वरूण आदि।

गुण एवं उपयोग: मूत्राशय, वृक्क (किडनी) में उत्पन्न पथरी को भेदकर निकालता है। यह मूत्रल है। मूत्र के अन्य रोग रक्तमेह, पूयमेह, शुक्रमेह आदि में उपयोगी है।

मात्रा व अनुपान: 2-2 कैपसूल दिन में 3 से 4 बार तक ताजे पानी के साथ।

पैकिंग: 60 कैपसूल, 120 कैपसूल, 525 कैपसूल।

(वृक्क में उत्पन्न पथरी में उपयोगी)

स्वप्नप्रमेहान्तक कैपसूल

(स्वप्नदोष में उपयोगी)

मुख्य घटक द्रव्य: अभ्रक भस्म, बंग भस्म, सिद्ध मकरध्वज, तेजपात, छोटी इलायची, नागकेशर, जायफल, जावित्री, लौंग, सौंठ, काली मिर्च, पीपल आदि।

गुण एवं उपयोग: यह कैपसूल स्वप्न प्रमेह के लिये अक्सीर प्रमाणित है। इसके प्रयोग से वीर्य पुष्ट एवं गाढ़ा होता है।

मात्रा व अनुपान: 1-1 कैपसूल सुबह-शाम पानी अथवा दूध के साथ।

पैकिंग: 60 कैपसूल, 120 कैपसूल, 525 कैपसूल।

हृदरोगारि कैपसूल

(हृदय रोगों में उपयोगी)

मुख्य घटक द्रव्य: जहरमोहरा पिष्टी, प्रवाल पिष्टी, अकीक पिष्टी, गिलोय सत्व, अर्जुन। भावना-पान स्वरस, अर्जुन क्वाथ।

गुण एवं उपयोग: हृदय के सभी प्रकार के रोगों जैसे-हृदयशूल, चक्कर आना, जलन होना आदि रोगों में उपयोगी।

मात्रा व अनुपान: 1-1 कैपसूल सुबह-शाम पानी के साथ।

पैकिंग: 60 कैपसूल, 120 कैपसूल, 525 कैपसूल।

हिस्टीरियाहर कैपसूल

(हिस्टीरिया में उपयोगी)

मुख्य घटक द्रव्य: खुरासानी अजवायन, जटामांसी, वच, कर्पूर आदि।

गुण एवं उपयोग: यह कैपसूल स्त्रियों में होने वाले दौरों में उत्तम है। यह कैपसूल मगज को शान्त करते है और कुविचारों का शमन करते है।

मात्रा व अनुपान: 1-2 कैपसूल दिन में 3 बार पानी के साथ दें।

पैकिंग: 60 कैपसूल, 120 कैपसूल, 525 कैपसूल।

हर्बल हेयर कैपसूल

मुख्य घटक द्रव्य: आंवला, भृंगराज, हरड़, मुलहठी, स्वर्णमाक्षिक भस्म आदि।

गुण एवं उपयोग: बाल झड़ने, उड़ने व असमय सफेद होने में उपयोगी।

मात्रा व अनुपान: 1-1 कैपसूल सुबह-शाम पानी के साथ।

पैकिंग: 60 कैपसूल, 120 कैपसूल, 525 कैपसूल।

(केश रोग में उपयोगी)

त्रिशक्ति कैपसूल

मुख्य घटक द्रव्य: शु0 कासीस, शु0 तुत्थ, शु0 कुचला चूर्ण।

गुण एवं उपयोग: यह उत्तम रक्तवर्द्धक है और कान्ति तथा उत्साह में वृद्धि करते है।

मात्रा व अनुपान: 1-1 कैपसूल सुबह-शाम पानी के साथ।

पैकिंग: 60 कैपसूल, 120 कैपसूल, 525 कैपसूल।

(शक्ति वर्द्धक)

मेधाशक्ति कैपसूल

मुख्य घटक द्रव्य: ब्राह्मी, शंखपुष्पी। भावना-ब्राह्मी, शंखपुष्पी क्वाथ।

गुण एवं उपयोग: इसके सेवन से स्मरण शक्ति बढ़ती है। मस्तिष्क में हर समय रहने वाली थकावट दूर होती है। जो काफी मानसिक परिश्रम करते है उनके लिये अत्युपयोगी है।

मात्रा व अनुपान: 1-1 कैपसूल सुबह-शाम ताजे पानी के साथ अथवा स्पेशल ब्राह्म सीरप के साथ।

पैकिंग: 60 कैपसूल, 120 कैपसूल, 525 कैपसूल।

(स्मरण शक्ति वर्द्धक)

JWALA
The Name in Serving of Ayurved

आयुर्वेदिक शास्त्रीय चूर्ण

पैकिंग:

50 ग्राम
100 ग्राम
250 ग्राम
500 ग्राम
1 किलोग्राम

आयुर्वेदिक शास्त्रीय गूगल

पैकिंग:

30 टैबलेट
60 टैबलेट
50 ग्राम
100 ग्राम
250 ग्राम
500 ग्राम
1 किलोग्राम

आयुर्वेदिक शास्त्रीय भस्म

पैकिंग:

5 ग्राम
10 ग्राम
50 ग्राम
100 ग्राम
250 ग्राम
500 ग्राम
1 किलोग्राम

आयुर्वेदिक शास्त्रीय रस रसायन

पैकिंग:

30 टैबलेट
60 टैबलेट
50 ग्राम
100 ग्राम
250 ग्राम
500 ग्राम
1 किलोग्राम

आयुर्वेदिक शास्त्रीय पर्पटी

पैकिंग:

5 ग्राम
10 ग्राम
50 ग्राम
100 ग्राम
250 ग्राम
500 ग्राम
1 किलोग्राम

आयुर्वेदिक शास्त्रीय कूपीपक्व रसायन

पैकिंग:

1 ग्राम, 3 ग्राम,
5 ग्राम, 10 ग्राम,
50 ग्राम, 100 ग्राम,
250 ग्राम, 500 ग्राम,
1 किलोग्राम

JWALA
The Name in Serving of Ayurved

ज्वाला स्वर्ण कलश

नाम औषधि	ग्रन्थ संकेत	उपयोग
स्वर्ण भस्म	रसतन्त्रसार एवं सिद्ध प्रयोग संग्रह	आयु, मेधा, स्मृति व कान्तिवर्द्धक अदभुत रसायन
रजत भस्म	आयुर्वेद सार संग्रह	वयः स्थापक, बलवर्द्धक, स्मरणशक्ति एवं कान्ति वर्द्धक
वृ० कामचूड़ामणि रस (स्वर्ण मुक्ता युक्त)	भैषज्य रत्नावली	वीर्यवर्द्धक, रतिशक्ति वर्द्धक
कामदुधा रस (मुक्ता युक्त)	आयुर्वेद सार संग्रह	बालकों के सभी रोगों में प्रशस्त
वृ० वातचिन्तामणि रस (स्वर्ण मुक्ता युक्त)	भैषज्य रत्नावली	भयंकर वात रोगों की सुप्रसिद्ध औषधि
रसराज रस (स्वर्ण युक्त)	भैषज्य रत्नावली	जीर्ण वायु रोग, हृदय रोग नाशक
कुमार कल्याण रस (स्वर्ण मुक्ता युक्त)	भैषज्य रत्नावली	बालकों के सभी रोगों में प्रशस्त
चतुर्मुख रस (स्वर्ण युक्त)	आयुर्वेद सार संग्रह	वात शामक
जयमंगल रस (स्वर्ण युक्त)	भैषज्य रत्नावली	सर्वज्वर नाशक
बसन्तकुसुमाकर रस (स्वर्ण मुक्ता युक्त)	भैषज्य रत्नावली	बाजीकारक, मधुमेह नाशक अनुपम रसायन
श्वासकास चिन्तामणि रस (स्वर्ण युक्त)	भैषज्य रत्नावली	जीर्ण श्वास, कास में प्रशस्त

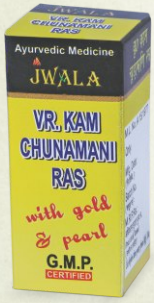

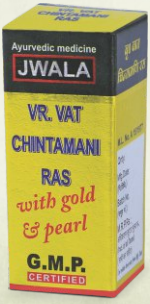

ज्वाला स्वर्ण कलश

नाम औषधि	ग्रन्थ संकेत	उपयोग
महालक्ष्मी विलास रस (स्वर्ण युक्त)	रसतन्त्रसार एवं सिद्ध प्रयोग संग्रह	ज्वर, कास, श्वास नाशक
स्वर्ण बसन्त मालती (स्वर्ण मुक्ता युक्त)	भैषज्य रत्नावली	जीर्णज्वर, कास, श्वास, क्षय नाशक
ब्राह्मी वटी (स्वर्ण युक्त)	आयुर्वेद सार संग्रह	जीर्ण ज्वर एवं मानसिक व्याधि में उपयोगी
स्वर्ण भूपति रस (स्वर्ण युक्त)	आयुर्वेद सार संग्रह	सन्निपात एवं क्षय में विशेष लाभकारी
वृ० बंगेश्वर रस (स्वर्ण मुक्ता युक्त)	आयुर्वेद सार संग्रह	प्रमेह नाशक
वृ० पूर्णचन्द्र रस (स्वर्ण युक्त)	आयुर्वेद सार संग्रह	रसायन तथा बाजीकारक
योगेन्द्र रस (स्वर्ण मुक्ता युक्त)	भैषज्य रत्नावली	जीर्ण वायु रोग, हृदय रोग नाशक
सूतशेखर रस नं० 1 (स्वर्ण युक्त)	आयुर्वेद सार संग्रह	अम्लपित्त, वमन आदि में उपयोगी
वातकुलान्तक रस	आयुर्वेद सार संग्रह	उन्माद, अपस्मार में उपयोगी
प्रवाल पंचामृत रस (मुक्ता युक्त)	भैषज्य रत्नावली	अम्लपित्त, उदररोग नाशक कैल्शियम पूर्तिकर

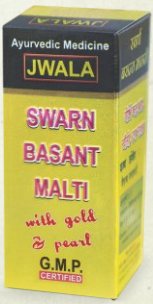

JWALA
The Name in Serving of Ayurved

ज्वाला आसव अरिष्ट

नाम औषधि	ग्रन्थ संकेत	उपयोग
अभयारिष्ट	रसतन्त्रसार एवं सिद्ध प्रयोग संग्रह	बवासीर, फिशर, कब्जियत आदि उदररोगों में उपयोगी।
अमृतारिष्ट	आयुर्वेद सार संग्रह	सभी प्रकार के बुखार में उपयोगी, इम्यूनिटी बढ़ाने में सहायक।
अर्जुनारिष्ट	रसतन्त्रसार एवं सिद्ध प्रयोग संग्रह	हृदय रोगो में उपयोगी।
अशोकारिष्ट	रसतन्त्रसार एवं सिद्ध प्रयोग संग्रह	प्रदर आदि महिलाओ के रोगों में उपयोगी।
अश्वगंधारिष्ट	रसतन्त्रसार एवं सिद्ध प्रयोग संग्रह	शक्ति एव स्फूर्ति वर्द्धक, इम्यूनिटी बढ़ाने में उपयोगी।
चन्दनासव	रसतन्त्रसार एवं सिद्ध प्रयोग संग्रह	सुजाक, मूत्रकृच्छ्र, मूत्रावरोध आदि में उपयोगी।
दशमूलारिष्ट	आयुर्वेद सार संग्रह	शक्तिवर्द्धक, प्रसूत रोगों में उपयोगी।
द्राक्षारिष्ट	आयुर्वेद सार संग्रह	शारीरिक स्वास्थ्य एवं शक्तिवर्द्धक।
खदिरारिष्ट	रसतन्त्रसार एवं सिद्ध प्रयोग संग्रह	रक्तशोधक,चर्म विकार में उपयोगी।

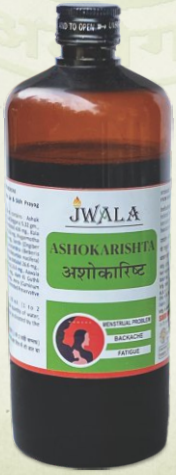

ज्वाला आसव अरिष्ट

नाम औषधि	ग्रन्थ संकेत	उपयोग
कुमारी आसव न० 1	आयुर्वेद सार संग्रह	यकृत विकार, कब्ज, एनीमिया आदि में उपयोगी।
कुटजारिष्ट	आयुर्वेद सार संग्रह	रक्तातिसार, संग्रहणी आदि में उपयोगी।
लोहासव	भैषज्य रत्नावली	खून की कमी, यकृत प्लीहा वृद्धि में लाभदायक।
महामंजिष्ठाद्यरिष्ट	आयुर्वेद सार संग्रह	रक्तशोधक, चर्म विकार में उपयोगी।
पत्रांगासव	आयुर्वेद सार संग्रह	प्रदर आदि स्त्री रोगों में उपयोगी।
पुनर्नवारिष्ट	आयुर्वेद सार संग्रह	यकृत रोग, पाण्डु, कामला, शोथ में उपयोगी।
सारिवाद्यासव	आयुर्वेद सार संग्रह	रक्तशोधक,चर्म विकार में उपयोगी।
वासारिष्ट	आयुर्वेद सार संग्रह	सर्दी, जुकाम, कास-श्वास आदि कफ विकार शामक।
विड़गासव	आयुर्वेद सार संग्रह	कृमि आदि पेट रोगों में उपयोगी।

SHRI JWALA AYURVED BHAWAN

F23-28, Sector-1, Tala Nagri Industrial Area,
Ramghat Road, Aligarh (U.P.) - 202001

Mob.: 9557437293, 8191820907
WhatsApp No.: 8191820908
E-mail: jwala.ayurved@rediffmail.com
web: jwalaayurvedic.com
https://www.facebook.com/JwalaAyurved/

CAG ADVERTISING : 9810612122, 9871197377